27/7/17 पत्रावली पेश पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है।
दौरे पर है/दीगर कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली
दिनांक.....25/8/17.को पेश हो।

28/8/17 पत्रावली पेश पीठासीन अधिकारी अवकाश पर है।
दौरे पर है/दीगर कार्यों में व्यस्त है। अतः पत्रावली
दिनांक.....20/9/17..को पेश हो।

20/9/17 पत्रावली पेश। प्रार्थी अनुपस्थित। प्रार्थी वकील अनुपस्थित। न्यायालय में वकील उपस्थित होने का अंतिम अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक 26/10/17 को पेश हो

26/10/17 - पत्रावली पेश। प्रार्थी अनुपस्थित। प्रार्थी वकील अनुपस्थित। पूर्व पेशी पर भी अनुपस्थित। न्यायालय समय में अलग अलग समय पर आवाजें लगाई गई। कोई उपस्थित नहीं। प्रार्थी वकील भी अनुपस्थित। अब चूंकि न्यायालय समय समाप्त होने जा रहा है। न्यायालय में पुनः एक बार आवाज लगाई गई। कोई उपस्थित नहीं। अतः इससे प्रतीत होता है कि प्रार्थना पत्र के दोनों ही पक्षकार इतना लिखते ही न्यायालय का ध्यान पत्रावली पर गया।

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय दस्तखत
	कि अप्रार्थीगण के नोटिस तामील / अदम तामील संलग्न नहीं है परंतु आदेशिका अनुसार पत्रावली जवाब अप्रार्थी हेतु लम्बित है परंतु प्रार्थी की अनुपस्थिति के कारण प्रार्थी का प्रार्थना पत्र, प्रार्थी पक्ष की अदम हाजरी व अदम पैरवी मे खारिज किया जाता है। पत्रावली शुमार फैसल होकर पत्रावली तकमील दाखिल दफ्तर हो।
	सहायक कलेक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट (फास्ट ट्रैक) जोधपुर

Scanned by CamScanner